आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
गुरुवार 03.04.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्ण ने राज्यसभा में कहा– ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना का 90 प्रतिशत से अधिक सुरंग निर्माण कार्य पूरा हुआ।
- राज्य के समस्त खाद्य गोदामों में इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगाए गए। मई माह से सभी जिलों में ई–पॉस मशीन से होगा राशन का वितरण।
- उत्तराखंड के सभी वरिष्ठ अधिकारी 25 से 27 अप्रैल तक नैनीताल में प्रदेश के विकास पर मंथन करेंगे।
- राज्य के कुमाऊं क्षेत्र में दिन और रात के तापमान में भारी उतार–चढ़ाव से सर्दी और फ्लू के मामलों में वृद्धि की आशंका। मौसम विभाग ने लोगों को सर्तकता बरतने की सलाह दी।

राज्यसभा

125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना का 90 प्रतिशत से अधिक सुरंग निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के उच्च सदन में किये गये एक सवाल के जवाब में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह बात कही। श्री वैष्णव ने बताया कि यह रेल लाइन देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों से होकर गुजरेगी। इससे ऋषिकेश के साथ ही देवप्रयाग और कर्णप्रयाग जैसे धार्मिक और पर्यटन स्थलों को रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। परियोजना में कुल 16 मुख्य सुरंगों और 12 बचाव सुरंगों का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें से 94 किलोमीटर लंबी 9 मुख्य सुरंगों और 88 किलोमीटर लंबी 8 बचाव सुरंगों का काम पूरा हो चुका है। सुरंग निर्माण तेज करने के लिए 8 अतिरिक्त प्रवेश मार्ग भी बनाए गए हैं।

सांसद भट्ट ने ऋषिकेश के श्यामपुर में वैली ब्रिज निर्माण की स्थिति को लेकर भी प्रश्न पूछा। इस पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि श्यामपुर के पास 24 मीटर स्पैन वाले बैली ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तराखंड में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 2014 में 2 हजार 282 किलोमीटर थी, जो अब बढ़कर 3 हजार 664 किलोमीटर हो गई है।

राशन वितरण

प्रदेश के किसी भी गांव में अब कम राशन सप्लाई नहीं होगा। राज्य के सभी गोदामों में इलेक्ट्रॉनिक कांटे लगा दिए गए हैं और अब इससे तौलकर ही विक्रेताओं को राशन मिलेगा। साथ ही इसी माह से प्रदेश के दो जिलों– हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में नई ई–पॉस मशीनों से राशन वितरण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अगले महीने से प्रदेश के सभी जिलों में यह व्यवस्था लागू हो जाएगी।

खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि ऊधमसिंहनगर और हरिद्वार के सभी राशन विक्रेताओं को नई ई–पॉस मशीनों का वितरण किया जा रहा है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पारित

लोकसभा ने विपक्ष के संशोधनों को खारिज करते हुए वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित कर दिया है। लोकसभा में 288 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में जबकि 232 सदस्यों ने विरोध में मतदान किया।

लोकसभा में 12 घंटे से अधिक समय देर रात तक विधेयक पर चर्चा हुई। इस विधेयक, 2025 का उद्देश्य विरासत स्थलों की सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के साथ ही वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन सुव्यवस्थित करना है। विधेयक में मुस्लिम महिलाओं, विशेष रूप से विधवाओं और तलाकशुदा महिलाओं की आर्थिक तथा सामाजिक स्थिति में सुधार का भी प्रावधान है।

विधेयक पर चर्चा का उत्तर देते हुए अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने इस धारणा को गलत गलत बताया है कि गैर–मुस्लिम वक्फ बोर्ड के कामकाज में हस्तक्षेप करेंगे। श्री रिजीजू ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य किसी की संपत्ति जब्त करना नहीं है।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने विपक्ष पर विधेयक के बारे में लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2013 में कांग्रेस शासन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कुल 123 संपत्तियां दिल्ली वक्फ बोर्ड को हस्तांतरित की गईं।

मंथन

उत्तराखंड के सभी वरिष्ठ अधिकारी 25 से 27 अप्रैल तक नैनीताल में राज्य के विकास पर मंथन करेंगे। इस दौरान राज्य के संसाधनों, अवस्थापना विकास और आजीविका के साधनों को बढ़ाने को लेकर चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस चिंतन शिविर में मौजूद रहेंगे। तैयारियों को लेकर नैनीताल पहुंचे प्रमुख सचिव (नियोजन) आर. मीनाक्षी सुंदरम ने बताया कि सभी अधिकारियों को अनिवार्य रूप से इसमें भाग लेने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि योजनाओं में देरी के कारण बढ़ते बजट पर भी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विकास कार्यों को समय पर और प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके।

तपमान बदलाव

उत्तराखंड के मैदानी इलाकों, खासकर कुमाऊं क्षेत्र में दिन और रात के तापमान में बड़ा उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। तापमान का यह अंतर करीब 20 डिग्री सेल्सियस तक है और अगले दो से तीन दिनों में भी यह बदलाव जारी रह सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि रात और दिन के तापमान में इतना अधिक अंतर होने के कारण सर्दी और फ्लू के मामले बढ़ सकते हैं, क्योंकि तापमान का अचानक बदलाव सेहत पर असर डालता है। विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि सुबह और शाम के समय गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकलें और अपनी सेहत का ध्यान रखें।

उच्च न्यायालय

उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने देहरादून के बल्लीवाला, बल्लूपुर और आईएसबीटी फ्लाईओवर पर हुए हादसों को लेकर सरकार से विस्तृत ब्यौरा मांगा है। न्यायालय ने यह भी पूछा है कि किन अधिकारियों ने पहले से स्वीकृत चार लेन फ्लाईओवर को घटाकर दो लेन करने का फैसला लिया।

मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई हुई। जनहित याचिका में कहा गया कि चार लेन की योजना को दो लेन में बदलने से कई दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें जानमाल की हानि हुई है।

निरीक्षण

चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बदरीनाथ धाम और यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को यात्रा शुरू होने से पहले जरूरी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

जल संस्थान, ऊर्जा निगम और संचार विभाग को पानी, बिजली और नेटवर्क की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को कहा गया। दर्शन लाइन के क्षतिग्रस्त हिस्से का निरीक्षण कर निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने और नदी में जमा मलबा हटाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सीवर टैंक पर सुरक्षा दीवार बनाने, तीर्थ पुरोहित आवास और अस्पताल निर्माण का काम भी जल्द पूरा करने को कहा।

जिलाधिकारी ने बुजुर्ग तीर्थयात्रियों के लिए दर्शन लाइन पर बैठने की व्यवस्था और शौचालय निर्माण के निर्देश भी दिए। ब्रह्म कपाल क्षेत्र में अलकनंदा नदी किनारे सुरक्षा प्रबंधन सुनिश्चित करने और धाम में हो रहे कार्यों की हर दिन प्रगति रिपोर्ट देने को भी कहा गया।

चारधाम यात्रा विश्राम गृह व्यवस्था

बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने सभी विश्राम गृह प्रबंधकों को चारधाम यात्रा से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। देहरादून स्थित केनाल रोड कार्यालय से वर्चुअल बैठक लेते हुए मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि तीर्थयात्रा शुरू होने से पहले मंदिर समिति के विश्राम गृहों में सौंदर्यीकरण, बिजली, पेयजल, सफाई, आवासीय सुविधाएं और सीसीटीवी लगाने जैसे जरूरी काम किये जा रहे हैं ताकि तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके।

उन्होंने सभी प्रबंधकों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उनकी समस्याएं व सुझाव भी सुने।